

## अध्याय 10

### पगड़ी

#### प्रश्न-अभ्यास

सफाई

प्रश्न 1.

मालकिन ने मैली पगड़ी खूब रगड़ी। तुम इन चीज़ों को किससे साफ़ करोगे?

उत्तर :

1. कागज़ – रबड़ से
2. बर्तन – बर्तन धोने वाले साबुन से
3. पत्ते – पानी से
4. जूते – ब्रश से
5. दाँत – ब्रश से

प्रश्न 2.

पगड़ी को खूब रगड़ा तो पगड़ी फट गई। बताओ, इनको खूब रगड़ोगे तो क्या होगा?

उत्तर :

1. कागज़ – फट जाएगा
2. बर्तन – घिस जाएगा
3. जूते – फट जाएँगे
4. स्वेटर – फट जाएगा
5. फ़र्श – चमक जाएगा

## दो अंक के प्रश्न और उत्तर

**प्रश्न 1: पगड़ी की विशेषता क्या है जिसका कवि ने वर्णन किया है?**

**उत्तर :** कवि ने पगड़ी की विशेषता को उदाहरण सहित बताया है, कहते हैं कि इसे रगड़-रगड़कर इतना साफ़ किया गया कि मैल तो रह गई, किंतु पगड़ी फट गई।

**प्रश्न 2: पगड़ी और मैल के बीच हुई झगड़ी का क्या परिणाम हुआ?**

**उत्तर :** पगड़ी और मैल के बीच हुई झगड़ी के परिणामस्वरूप, मैल और पगड़ी दोनों ही तर-बतर हो गए।

**प्रश्न 3: कवि ने कैसे व्यक्त किया है कि मैल तो रह गई, पर पगड़ी फट गई?**

**उत्तर :** कवि ने बताया है कि पगड़ी को रगड़-रगड़कर इतना साफ़ किया गया कि मैल तो रह गई, किंतु पगड़ी फट गई।

**प्रश्न 4: कवि ने कैसे व्यक्त किया है कि पगड़ी की हट्टी-कट्टी मालकिन और मैल-पगड़ी दोनों ही तर-बतर हो गए?**

**उत्तर :** कवि ने व्यक्त किया है कि पगड़ी की हट्टी-कट्टी मालकिन ने इतनी ज़ोर से झगड़ा किया कि मैल और पगड़ी दोनों ही तर-बतर हो गए।

**प्रश्न 5: इस कविता में कौन-कौन से विचित्र स्थितियाँ आई हैं?**

**उत्तर :** इस कविता में कवि ने पगड़ी के साथ हुई रगड़ और मैल के साथ हुई झगड़ी को विचित्र स्थितियों के रूप में वर्णित किया है।

**प्रश्न 6: कवि ने पगड़ी को किस प्रकार का वर्णन किया है?**

**उत्तर :** कवि ने पगड़ी को "रगड़-रगड़कर इतना साफ़ किया गया कि मैल तो रह गई, किंतु पगड़ी फट गई" कहकर एक विचित्र प्रकार से वर्णित किया है।

## चार अंक के प्रश्न और उत्तर

**प्रश्न 1: पगड़ी को बचाने के लिए कवि ने क्या किया और इससे क्या सिखने को मिलता है?**

**उत्तर :** कवि ने पगड़ी को बचाने के लिए उसका विवेचन किया और मैल को साफ करने के लिए इसे रगड़-रगड़कर साफ़ किया। इससे हमें यह सिखने को मिलता है कि कभी-कभी हमें समस्याओं को समझने और हल करने के लिए सकारात्मक दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है।

**प्रश्न 2: पगड़ी की मालकिन और मैल के बीच हुई झगड़ी कैसे व्यक्तिगत विकल्पों का प्रतिष्ठान है?**

**उत्तर :** पगड़ी की मालकिन और मैल के बीच हुई झगड़ी एक व्यक्तिगत विकल्पों का प्रतिष्ठान है, जहां उन्होंने एक अद्वितीय स्थिति को हासिल करने के लिए अपनी मति और उम्मीद को प्रमुख बनाया।

**प्रश्न 3: कवि कैसे व्यक्त कर रहे हैं कि पगड़ी की हट्टी-कट्टी मालकिन ने मैल के साथ हुई झगड़ी को तर-बतर कर दिया?**

**उत्तर :** कवि व्यक्त कर रहे हैं कि पगड़ी की हट्टी-कट्टी मालकिन ने मैल के साथ हुई झगड़ी को इतना जोर से की थी कि दोनों ही तर-बतर हो गए।

**प्रश्न 4: कवि ने कैसे व्यक्त किया है कि पगड़ी को साफ करने का काम संघर्षपूर्ण था?**

**उत्तर :** कवि ने बताया है कि पगड़ी को साफ करने का काम संघर्षपूर्ण था, क्योंकि उसे रगड़-रगड़कर साफ करना पगड़ी के बने होने के कारण कठिन था।

**प्रश्न 5: कवि ने कैसे व्यक्त किया है कि मैल तो रह गई, पर पगड़ी फट गई?**

**उत्तर :** कवि ने व्यक्त किया है कि मैल तो रह गई, पर पगड़ी फट गई, इससे हमें यह समझने को मिलता है कि कभी-कभी समस्याएं अपनी स्थिति बनाए रखने के लिए कठिनाईयों का सामना करती हैं, जबकि दूसरी चीजें सुरक्षित रहती हैं।

## सात अंक के प्रश्न और उत्तर

**प्रश्न 1: पगड़ी की मालकिन और मैल के बीच हुई झगड़ी के कारण कवि क्या सिखाना चाह रहे हैं?**

**उत्तर :** पगड़ी की मालकिन और मैल के बीच हुई झगड़ी के कारण कवि सिखाना चाह रहे हैं कि जीवन में आनेवाली कठिनाईयों का सामना करने के लिए हमें सकारात्मक दृष्टिकोण बनाए रखना चाहिए और समस्याओं को स्वीकारने के बाद ही हम उन्हें हल कर सकते हैं।

**प्रश्न 2: पगड़ी को साफ करने की प्रक्रिया में कौन-कौन से संघर्ष सामने आए और उन्हें कैसे पार किया गया?**

**उत्तर :** पगड़ी को साफ करने की प्रक्रिया में रगड़-रगड़कर साफ़ करना कठिनाईयों से भरा था। पगड़ी की मालकिन ने उसे साफ करने के लिए अपनी मति का उपयोग किया और उसे साफ करने के लिए सकारात्मक दृष्टिकोण बनाए रखा।

**प्रश्न 3: कवि ने कैसे व्यक्त किया है कि पगड़ी की मालकिन ने अपनी हट्टी-कट्टी स्वभाव को उजागर किया?**

**उत्तर :** कवि ने व्यक्त किया है कि पगड़ी की मालकिन ने अपनी हट्टी-कट्टी स्वभाव को उजागर किया, जब उन्होंने मैल के साथ हुई झगड़ी में उससे जोरदार तक्रार की। इससे यह प्रकट होता है कि मालकिन अपने आत्मसमर्पण और आत्मनिर्भरता की भावना को बनाए रखना चाहती थी।

## कविता का सारांश

‘पगड़ी’ एक बड़ी रोचक कविता है, जिसके रचनाकार सर्वेश्वरदयाल सक्सेना हैं। इस कविता में विचित्र स्थितियों का सामना करती एक पगड़ी का वर्णन किया गया है। कवि कह रहा है कि एक पगड़ी को रगड़-रगड़कर इतना साफ़ किया गया कि मैल तो रह गई, किंतु पगड़ी फट गई। इस पर पगड़ी की हट्टी-कट्टी मालकिन इतनी झगड़ी कि मैल और पगड़ी दोनों ही तर-बतर हो गए।

**शब्दार्थ :** मैली-गंदी। पगड़ी-सिर पर लपेटकर बाँधने का कपड़ा। मैल-गंदगी

**प्रसंग :** प्रस्तुत पंक्तियाँ हमारी पाठ्यपुस्तक रिमझिम, भाग-1 में संकलित कविता ‘पगड़ी’ से ली गई हैं। इस कविता के रचयिता सर्वेश्वरदयाल सक्सेना हैं। इसमें कवि ने एक पगड़ी के विषय में बताया है।

**व्याख्या:** इन पंक्तियों के माध्यम से कवि कहता है कि एक मैली पगड़ी को नौकर ने रगड़-रगड़कर इतना साफ़ किया कि वह तो फट गई लेकिन उसका मैल खत्म नहीं हुआ।

**शब्दार्थ :** हट्टी-कट्टी-मोटी-ताजी। तर जाना-पूरी तरह से मुक्त हो जाना।

**प्रसंग :** पूर्ववत्।

**व्याख्या :** नौकर के द्वारा पगड़ी की मैल को साफ़ किए जाने के क्रम में उसके फट जाने पर उसकी मालकिन ने खूब झगड़ा किया। उसने इतना झगड़ा किया कि इसमें पगड़ी और मैल दोनों ही तर गए।